Aaj Samaaj 15-2-26

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

आज समाज नेटवर्क

**चंडीगढ़।** सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से ह्लएआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनह्व वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

अजीत समाचार

# इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

चंडीगढ़, 16 फरवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग' विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने 'सस्टेनेबल इंटेलिजेंस' और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिजाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मैंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिजाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत विषयों में 'इकोवेब-इंटरनेट के लिए कार्बन इंटेलिजेंस' से लेकर नैतिक और पर्यावरण-अनुकूल एआई के विकास तक के विविध और समकालीन मुद्दे शामिल रहे, जिन्होंने तकनीक और पर्यावरण के संतुलन की दिशा में छात्रों की जागरूकता और नवाचारी सोच को उजागर किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियां दीं और इसके बाद ज्यूरी द्वारा गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इन सभी चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पहला स्थान जापनीत कौर ने 'एज एआई' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने 'अफेक्टिव कंप्यूटिंग' विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने 'इको वेब-कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग' विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के विजेता बच्चे प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा के साथ। (छाया : गुरिंदर सिंह)

# इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

चंडीगढ़, 16 फरवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग' विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने 'सस्टेनेबल इंटेलिजेंस' और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिजाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मैंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिजाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत विषयों में 'इकोवेब-इंटरनेट के लिए कार्बन इंटेलिजेंस' से लेकर नैतिक और पर्यावरण-अनुकूल एआई के विकास तक के विविध और समकालीन मुद्दे शामिल रहे, जिन्होंने तकनीक और पर्यावरण के संतुलन की दिशा में छात्रों की जागरूकता और नवाचारी सोच को उजागर किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियां दीं और इसके बाद ज्यूरी द्वारा गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इन सभी चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पहला स्थान जापनीत कौर ने 'एज एआई' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने 'अफेक्टिव कंप्यूटिंग' विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने 'इको वेब-कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग' विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के विजेता बच्चे प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा के साथ। (छाया : गुरिंदर सिंह)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
17-Feb-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260217/20/5/1_1.cms

अजीत समाचार

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

चंडीगढ़, 15 फरवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमैंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से 'एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स: रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन' वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में हिस्सा लेते छात्र। (छाया : गुरिंदर सिंह)

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

चंडीगढ़, 15 फरवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमैंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से 'एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स: रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन' वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में हिस्सा लेते छात्र। (छाया : गुरिंदर सिंह)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
16-Feb-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260216/20/5/1_1.cms

Amar Ujala 16.2.26

# तकनीक सिर्फ साधन है, उस पर पूर्ण निर्भरता ठीक नहीं

## एसडी कॉलेज में एआई व इनोवेशन पर वर्कशॉप

एसडी कॉलेज में आयोजित वर्कशॉप में जानकारी देते विशेषज्ञ। संस्थान

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल व पीजी विभाग कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस द्वारा एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई।

प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने उद्घाटन किया। मुख्य वक्ता डॉ. रविंदर सिंह (यूके सिविल सर्विसेज) ने कहा कि तकनीक सहायक साधन है, उस पर पूर्ण निर्भरता उचित नहीं। उन्होंने डिजाइन थिंकिंग, समस्या की सही पहचान और फीडबैक आधारित सुधार पर जोर दिया। 40 से अधिक विद्यार्थियों ने एआई व डिजिटल बदलाव की बारीकियां सीखीं। ब्यूरो

Arth Prakash 15-2-26

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से ÷एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स- रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन÷ वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया।

सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Arth Parkash 17-2-26

# इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को ÷आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग÷ विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग–के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने ÷सस्टेनेबल इंटेलिजेंस÷ और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिज़ाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मेंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिज़ाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत विषयों में ÷इकोवेब ङ्क इंटरनेट के लिए कार्बन इंटेलिजेंस÷ से लेकर नैतिक और पर्यावरण-अनुकूल एआई के विकास तक के विविध और समकालीन मुद्दे शामिल रहे, जिन्होंने तकनीक और पर्यावरण के संतुलन की दिशा में छात्रों की जागरूकता और नवाचारी सोच को उजागर किया।

# इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग–के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने सस्टेनेबल इंटेलिजेंस और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिजाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मेंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिजाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत विषयों में इकोवेब द्व इंटरनेट के लिए कार्बन इंटेलिजेंस से लेकर नैतिक और पर्यावरण-अनुकूल एआई के विकास तक के विविध और समकालीन मुद्दे शामिल रहे, जिन्होंने तकनीक और पर्यावरण के संतुलन की दिशा में छात्रों की जागरूकता और नवाचारी सोच को उजागर किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं और इसके बाद ज्यूरी द्वारा गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इन सभी चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पहला स्थान जापनीत कौर ने एज एआई विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने अफेक्टिव कंप्यूटिंग विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने इको वेब द्व कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. रीना के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आने वाली पीढ़ी के डेवलपर्स की जिम्मेदारी केवल कोड लिखने तक सीमित नहीं है। आज के दौर में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, तब हमें इसके पर्यावरणीय प्रभाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्रीन टेक्नोलॉजी को विकल्प नहीं, बल्कि एक मानक के रूप में अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि छात्र ही एक सतत और जिम्मेदार डिजिटल भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेज का कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग नियमित रूप से प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन करता है, ताकि छात्रों की सैद्धांतिक पढ़ाई को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से जोड़ा जा सके और उन्हें भविष्य के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सके।

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

सिटीदर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से ह्लएआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनह्ल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Daimik Savera Times 17-2-26

# इनोवेटिव प्रेजैंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

प्रतियोगिता के प्रतिभागी।

**सवेरा न्यूज/नीना** चंडीगढ़, 16 फरवरी : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्ट 32 के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग विषय पर इनोवेटिव प्रेजैंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग–के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मेंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिज़ाइन और डिजिटल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। पहला स्थान जापनीत कौर ने एज एआई विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने अफेक्टिव कंप्यूटिंग विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने इको वेब कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. रीना के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ।

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

देश प्यार -चंडीगढ़, 14 फरवरी: सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से "एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन" वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Divya Himachal 15-2-26

# एसडी कालेज में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर वर्कशॉप

चंडीगढ़। कार्यक्रम के दौरान मौजूद गणमान्य

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल आईआईसी की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ़ कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डा. रीना ने वक्ता डा. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुखए कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डा. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचानए नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है।

Divya Himachal 17-2-26

# छात्रों ने जानी एआई तकनीक

## एसडी कालेज में विशेषज्ञों ने छात्रों से साझा किए अनुभव

चंडीगढ़। चीफ गेस्ट मोनिका सेठी के साथ छात्र सामूहिक चित्र में

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कम्प्यूटिंग विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डा. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कम्प्यूटिंगकृके बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है के बारे में बताया।

# GGDSD College hosts workshop on AI and innovation sprints

**Chandigarh:** The Institution's Innovation Council (IIC) of GGDSD College, Sector-32, in collaboration with the Postgraduate Department of Computer Science and Applications, successfully organized a workshop titled "AI and Innovation Sprints: Rapid Prototyping for Digital Transformation." The session was inaugurated by Dr. Ajay Sharma, Principal of the college, and Dr. Rina, Head of the Department, who welcomed the chief speaker, Dr. Ravinder Singh, Head of the Digital and Systems Team, Cabinet Office, Government

Commercial Function, UK Civil Services.

Dr. Ravinder Singh, recognized for leading large-scale digital transformation programmes with budgets up to Rs 150 crore , shared his expertise in Artificial Intelligence, Generative AI, RPA, Quantum Computing, and Cybersecurity.

## डॉ. रीना ने कहा, आने वाली पीढ़ी के डेवलपर्स की जिम्मेदारी केवल कोड लिखने तक सीमित नहीं है

# इनोवेटिव प्रजेंटेशन प्रतियोगिता में एआई और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

जगमार्ग न्यूज

**चंडीगढ़।** सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आईसीटी क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग' विषय पर इनोवेटिव प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग–के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल

करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है। आज के समय में बड़े डेटा सेंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने 'सस्टेनेबल इंटेलिजेंस' और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिज़ाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मेंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उनके तकनीकी ज्ञान, प्रस्तुति के दृश्यात्मक डिज़ाइन और जटिल विषयों को सरल तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता के आधार पर आंका गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुत विषयों में 'इकोवेब - इंटरनेट के लिए कार्बन इंटेलिजेंस' से लेकर नैतिक और पर्यावरण-अनुकूल एआई के विकास तक के विविध और समकालीन मुद्दे शामिल रहे, जिन्होंने तकनीक और पर्यावरण के संतुलन की दिशा में छात्रों की जागरूकता और नवाचारी सोच को उजागर किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं और इसके बाद ज्यूरी द्वारा गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इन सभी चरणों के बाद निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पहला स्थान जापनीत कौर ने 'एज एआई' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ब्यूटी कुमारी रहीं, जिन्होंने 'अफेक्टिव कंप्यूटिंग' विषय प्रस्तुत किया, जबकि तीसरा स्थान दिक्षु ग्रोवर ने 'इको वेब - कार्बन इंटेलिजेंस फॉर द इंटरनेट' विषय पर अपनी प्रस्तुति के लिए हासिल किया। विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. रीना के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आने वाली पीढ़ी के डेवलपर्स की जिम्मेदारी केवल कोड लिखने तक सीमित नहीं है। आज के दौर में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, तब हमें इसके पर्यावरणीय प्रभाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ग्रीन टेक्नोलॉजी को विकल्प नहीं, बल्कि एक मानक के रूप में अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि छात्र ही एक सतत और जिम्मेदार डिजिटल भविष्य के निर्माता हैं। विभाग नियमित रूप से प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन करता है, ताकि छात्रों की सैद्धांतिक पढ़ाई को वास्तविक तकनीकी चुनौतियों से जोड़ा जा सके और उन्हें भविष्य के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सके।

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

» मदरलैंड संवाददाता

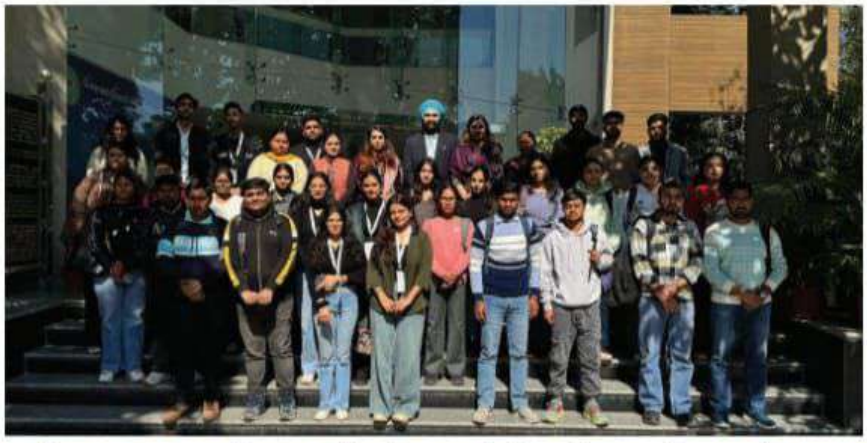

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से ह्लएआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनह्व वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Punjab Kesari 15-2-26

# छात्रों को मिला इनोवेशन और ए.आई. का मंत्र

चंडीगढ़, 14 फरवरी (रश्मि हंस): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काऊंसिल (आई.आई.सी.) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रैजुएट डिपार्टमैंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से "ए.आई. एंड इनोवेशन स्प्रिंट्स: रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन" वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें।

उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया।

## बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव ए.आई., आर.पी.ए., क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रीना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए संसाधन वक्ता, आयोजन टीम और छात्र स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिन के सहयोग से वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित हो सकी। इस सत्र में 40 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया और नवाचार, डिजिटल परिवर्तन तथा उभरती तकनीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

Punjab Kesari 18-2-26

# आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, तब हमें पर्यावरणीय प्रभाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए

## इनोवेटिव प्रैजैंटेशन प्रतियोगिता में ए.आई. और ग्रीन कंप्यूटिंग पर छात्रों की नवाचारी सोच ने बटोरी सराहना

चंडीगढ़, 17 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के आई.सी.टी. क्लब फीनिक्स की ओर से सोमवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस और ग्रीन कंप्यूटिंग विषय पर इनोवेटिव प्रैजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फीनिक्स क्लब की संयोजक डॉ. मोनिका सेठी के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन कंप्यूटिंग के बीच संबंध और उनके भविष्य की संभावनाओं पर छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। इसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ तकनीकी विकास को संतुलित करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों और विचारों को प्रस्तुत किया।

कॉलेज की छात्राएं कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए। (परमजीत)

प्रतियोगिता में विभाग के प्रतिभाशाली छात्रों की कई टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को इस बात की पड़ताल करने का कार्य दिया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस की शक्ति का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता से समझौता किए बिना कैसे किया जा सकता है।

आज के समय में बड़े डेटा सैंटरों के बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट को लेकर तकनीकी उद्योग पर बढ़ती चिंता के बीच, प्रतिभागियों ने सस्टेनेबल इंटेलिजैंस और ऊर्जा-कुशल एल्गोरिदम डिजाइन जैसे विषयों पर नए और रचनात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन फैकल्टी मैंबर्स डॉ. हिमानी मित्तल और डॉ. गरिमा श्रीवास्तव की ज्यूरी पैनल द्वारा किया गया।

प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने विजेताओं को सम्मानित किया, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. रीना के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के डेवलपर्स की जिम्मेदारी केवल कोड लिखने तक सीमित नहीं है। आज के दौर में जब आर्टिफिशियल इंटेलिजैंस हमारे जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, तब हमें इसके पर्यावरणीय प्रभाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

# डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर आयोजित वर्कशॉप में छात्रों को मिला इनोवेशन और एआई का मंत्र

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के सगयोग से 'एआई एंड इनोवेशन स्प्रिंट्सः रैपिड प्रोटोटाइपिंग फॉर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन' वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने किया जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. रीना ने वक्ता डॉ. रविंदर सिंह, डिजिटल और सिस्टम टीम के प्रमुख, कैबिनेट कार्यालय, सरकारी वाणिज्यिक कार्य, यूके सिविल सर्विसेज का स्वागत पौधे देकर किया। सत्र में बताया गया कि तकनीक का उपयोग सहायक साधन के रूप में करना चाहिए, उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। डॉ. रविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी जानकारी को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करें, बल्कि अपनी सोच और समझ के आधार पर सही निर्णय लें। उन्होंने यह भी कहा कि इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग के जरिए वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इनोवेशन ही एक लीडर को फॉलोअर से अलग बनाता है। साथ ही उन्होंने समस्या की सही पहचान, नए समाधान तैयार करने और उन्हें व्यवहार में परखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि लगातार फीडबैक और बदलाव के अनुसार खुद को ढालकर चुनौतियों को पार किया जा सकता है। साथ ही, उन्होंने डिजिटल बदलाव को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया। डॉ. रविंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने 1.5 बिलियन पाउंड तक के बड़े कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। उनकी विशेषज्ञता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, आरपीए, क्वांटम कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. विक्रम सागर, आयोजन सचिव डॉ. रीना और इनोवेशन एंबेसडर डॉ. पूजा मोहन ने किया।